डाक पंजीयन क्रमांक : MP/HSD/51/2021-23

हरदा से प्रकाशित साप्ताहिक अखबार ■ प्रति बुधवार

पेज 07

शब्द सासा

खबरों का आईना

RNI - MPHIN/2017/74252

वर्ष-10, अंक-44, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए email: ramnema81@gmail.com हरदा, बुधवार 11 मार्च 2026

सार-समाचार

एआई से याचिका बनाव लाया वकील

नई दिल्ली। नई दिल्ली में सुपीम कोर्ट में हाल ही में दिलचस्प मामला सामने आया, जिसने अदालत में मौजूद सभी लोगों को हैरान कर दिया। यह मामला एक जनहित याचिका (पीआईएल) से जुड़ा था, जिसकी भाषा और कानूनी शब्दावली इतनी जटिल थी कि जजों को शक हो गया कि याचिकाकर्ता ने इस याचिका को खुद नहीं लिखा होगा। इस मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता से सीधे सवाल किए और अंततः पूरी सच्चाई सामने आ गई। दरअसल सुनवाई के दौरान जजों ने देखा कि याचिका में बहुत कठिन अंग्रेजी और कानूनी शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। जब इसके बारे में याचिकाकर्ता से पूछा गया कि क्या उसने याचिका खुद लिखी है, तब शख्स ने आत्मविश्वास के साथ कहा कि हां, मैंने ही तैयार की है। लेकिन जब जजों ने उसकी शैक्षणिक योग्यता के बारे में पूछा, तब शख्स ने बताया कि वह केवल 12वीं पास है। इतनी जटिल अंग्रेजी में याचिका लिखने की बात जजों को संदिग्ध लगी। इसके बाद जस्टिस सूर्यकांत ने उसकी परीक्षा लेने के लिए याचिका के एक हिस्से से एक कठिन कानूनी वाक्य पढ़कर सुनाया। जज ने उससे पूछा कि इसका मतलब क्या है। यह सवाल सुनते ही याचिकाकर्ता चुप हो गया और कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

पंजाब में बीजेपी के नेता अमित गोसाई अकाली दल में शामिल

लुधियाना। मंगलवार को पंजाब की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर हुआ, जब भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित गोसाई ने इस्तीफा दे दिया और कुछ समय बाद अपने समर्थकों के साथ शिरोमणि अकाली दल में शामिल हुए। अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने खुद उन्हें पार्टी में शामिल करवाया और साथ ही लुधियाना सेंट्रल से हलका इंचार्ज भी नियुक्त किया। बता दें कि गोसाई पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय सतपाल गोसाई के पोते हैं। बादल ने अमित गोसाई का शिरोमणि अकाली दल के परिवार में स्वागत कर कहा कि अमित अपने दादा सतपाल गोसाई के काम में उनका साथ देते रहे हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के स्पोक्सपर्सन पद से भी इस्तीफा दे दिया है। सुखबीर ने भरोसा जताया कि अमित गोसाई के आने से शिरोमणि अकाली दल और मजबूत होगा। अकाली दल प्रमुख बादल ने गोसाई को लुधियाना सेंट्रल से हलका इंचार्ज बनाया और कहा कि अकाली दल में उनके साथ शामिल हुए है उनका भी पूरा सम्मान और अहम जिम्मेदारियां दी जाएगी।

राजनाथ ने बताया कैसा होगा विकसित भारत का सैन्य बल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली के साउथ ब्लॉक में आयोजित कार्यक्रम में रक्षा बल विजन 2047: भविष्य के लिए तैयार भारतीय सेना का रोडमैप जारी किया। यह दस्तावेज भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के अनुरूप सशस्त्र बलों को आधुनिक, एकीकृत और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने की योजना प्रस्तुत करता है। इसका व्यापक खाका मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ द्वारा तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य बदलते भू-रणनीतिक और तकनीकी माहौल में भारतीय रक्षा बलों को अधिक सक्षम बनाना है। विजन दस्तावेज में रक्षा बलों के भीतर रणनीतिक सुधार, क्षमता वृद्धि और संगठनात्मक बदलाव की रूपरेखा दी गई है। इसका लक्ष्य एक ऐसी सेना तैयार करना है जो तेजी से बदलती वैश्विक और क्षेत्रीय परिस्थितियों में दुश्मनों को प्रभावी ढंग से रोक सके, किसी भी संघर्ष की स्थिति में बहुआयामी प्रतिक्रिया दे सके और भारत के विस्तारित रणनीतिक हितों की रक्षा कर सके। इस योजना का एक महत्वपूर्ण स्तंभ तीनों सेनाओं—थल सेना, नौसेना और वायु सेना—के बीच बेहतर समन्वय और संयुक्त संचालन को बढ़ावा देना है।

क्या खत्म होने वाला देश में एलपीजी संकट

पीएम मोदी की पुरी और जयशंकर के साथ हाईलेवल बैठक

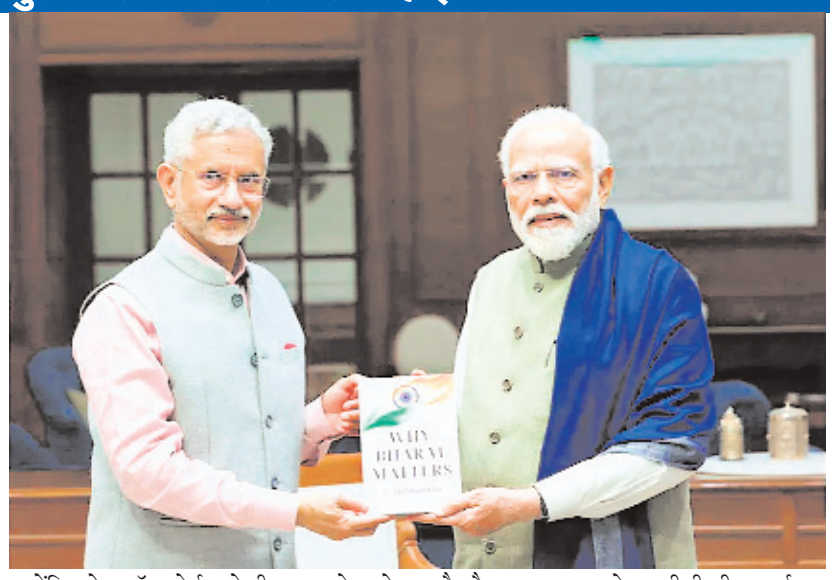

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध के बीच देश में एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत चल रही है। इस दिक्कत को देखकर मोदी सरकार ने इसके प्रबंधन को लेकर एस्मा लागू किया है। इससे केंद्र सरकार ने यह तय करने की कोशिश की है कि घरेलू उपभोक्ताओं को पर्याप्त एलपीजी सिलेंडर मिलते रहे। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने भी मंगलवार को इस मामले पर हाईलेवल मीटिंग की है। बैठक में पीएम मोदी के साथ ही पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी मौजूद थे। जंग के बीच ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से सप्लाई को बाधित किया है। इससे भारत सहित कई एशियाई देशों में गैस और तेल की किल्लत हो गई है। भारतीय रिफाइनरीज को केंद्र की मोदी सरकार ने आदेश दिया है कि वे एलपीजी का उत्पादन बढ़ा दें। इसके अलावा कॉर्मशियल सिलेंडरों की बजाय घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई में इजाफा किया जाए। भारत सरकार ने बताया है कि किन सेक्टरों को 100 फीसदी सप्लाई जारी रहेगी और उसमें किसी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। फिलहाल केंद्र का फोकस इस बात पर है कि घरेलू उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की सप्लाई कम ना हो। इसकी एवज में औद्योगिक यूनिट्स को सप्लाई कम की गई है। इसके अलावा कॉमर्शियल सिलेंडर भी कम दिए जा रहे हैं। होटल इंडस्ट्री ने इस पर आपत्ति भी जाहिर की है कि क्योंकि उनका काम कॉमर्शियल सिलेंडरों से ही होता है। ऐसी स्थिति में होटल इंडस्ट्री के कामकाज के ही ठप हो सकता है। अगले कुछ दिन देश में एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई के लिहाज से अहम हो सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ही भारत को आने वाले ज्यादातर तेल और गैस सप्लाई होता है। ऐसी स्थिति में संकट गहरा गया है। भारत अपनी जरूरत का कुल 62 फीसदी एलपीजी आयात करता है। यही नहीं तेल के मामले में यह निर्भरता 85 फीसदी के करीब है। ऐसी स्थिति में ज्यादा दिनों तक यदि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद रहा, तब फिर संकट बढ़ सकता। देश में अब बड़े पैमाने पर खाना बनाने के लिए लोगों की निर्भरता एलपीजी पर बढ़ गई है। दो दशक पुरानी स्थिति नहीं है। इसके बाद गैस की किल्लत देश में बड़े गुस्से का कारण भी बन सकती है। इसकारण मोदी सरकार ने इस परेशानी को प्राथमिकता से लिया है और एस्मा लागू करके एलपीजी की सप्लाई का वर्गीकरण कर दिया है। बात दें कि भारत अपनी गैस की जरूरत का करीब 85 फीसदी हिस्सा सऊदी अरब से खरीद रहा है। इसका आयात स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते ही होता है। अभी यह बंद है। इसकारण संकट गहराया है और सरकार फिलहाल सप्लाई के दूसरे रास्ते तलाश रही है। भारत में हर साल करीब 31.3 मिलियन टन एलपीजी की खपत होती है। बता दें कि देश में कुल एलपीजी की खपत में 87 फीसदी हिस्सा घरेलू उपभोक्ताओं का ही है। इसके बाद 13 फीसदी हिस्सा उद्योग, होटल और रेस्तरां आदि में इस्तेमाल होता है।

विपक्ष की नारेबाजी पर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा - ऐसी राजनीति शर्मनाक

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष द्वारा की गई नारेबाजी की कड़ी आलोचना की। केंद्रीय मंत्री चौहान जब केंद्र सरकार की किसान योजनाओं से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे, तब विपक्षी सांसदों ने चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने कथित वोट चोरी का विरोध किया। इसके बाद विपक्ष पर निशाना साधकर मंत्री चौहान ने कहा कि कई इसतरह के मुद्दे हैं जो किसानों से संबंधित हैं। इस मुददों के बारे में किसान और देश सुनना चाहते हैं, लेकिन वे (विपक्ष) नहीं चाहते कि देश सुने। विपक्ष की ऐसी राजनीति शर्मनाक है। तेल बीज मिशन और झारखंड में कृषि सहायता से संबंधित प्रश्न का उत्तर देकर उन्होंने कहा कि फलों और सब्जियों के उत्पादन के लिए हमारी सरकार ने एमआईडीएच योजना शुरू की है और झारखंड सरकार को बागवानी के लिए भी सहायता मिल रही है। हम पॉली हाउस, ग्रीनहाउस और सिंचाई के लिए भी सहायता प्रदान करते हैं। इसी बीच, कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। 50 से अधिक सांसदों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जिसके बाद अध्यक्ष पद पर आसीन भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कांग्रेस सांसद को अवकाश दे दिया। पाल ने कहा कि बहस के लिए 10 घंटे का समय आवंटित किया गया है और सांसदों से प्रस्ताव पर कायम रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के प्रस्ताव के लिए अध्यक्ष ने अनुमति और प्रक्रिया में उदारता दिखाई है।

शहरों में बढ़ता निर्माण कार्य और उड़ती धूल, स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चुनौती : डॉ चंचल जैन

आधुनिकता की दौड़ में आज हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो रहे हैं। हर तरफ चल रहे निर्माण कार्यों ने जहाँ विकास की गति को तेज किया है, वहीं इसके कारण उड़ने वाली धूल ने आम जनजीवन के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। धूल हमारे श्वसन तंत्र और हृदय को प्रभावित कर रही है, हालांकि कुछ सरल उपायों को अपनाकर हम इससे आसानी से बच सकते हैं।

धूल के कण केवल छींक तक सीमित नहीं रहते, बल्कि ये शरीर के भीतर जाकर कई पुरानी बीमारियों का कारण बनते हैं:

एलर्जिक राइनाइटिस : इसमें धूल के संपर्क में आते ही लगातार छींकें आना, नाक और आंखों से पानी गिरना जैसी समस्याएं होती हैं। मरीज पूरा दिन सुस्ती और भारीपन महसूस करता है।

एलर्जिक ब्रोंकाइटिस और अस्थमा: धूल जब फेफड़ों की नलियों तक पहुँचती है, तो वहां सूजन या संकुचन पैदा करती है। इससे खांसी और सांस लेने में भारी तकलीफ होती है। समय पर इलाज न मिलने पर यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती है।

उपचार की दिशा: होम्योपैथी का महत्व

चर्चा में इस बात पर जोर दिया गया कि 'बचाव ही उपचार है'। हालांकि, एलर्जिक समस्याओं के लिए होम्योपैथी को एक प्रभावी विकल्प बताया गया है। होम्योपैथी में दवाएं व्यक्ति के शारीरिक गठन और लक्षणों की तीव्रता के आधार पर दी जाती हैं। जहाँ एलोपैथिक एंटी-एलर्जिक दवाएं कभी-कभी सुस्ती पैदा करती हैं, वहीं होम्योपैथी शरीर की आंतरिक रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर धूल से होने वाली एलर्जी को जड़ से खत्म करने में मदद कर सकती है. विकास की प्रक्रिया को रोकना संभव नहीं है, लेकिन अपनी सेहत की ज़िम्मेदारी हमारे हाथ में है। मास्क पहनना, हाइड्रेटेड रहना और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना हमें धूल के इस अदृश्य खतरे से बचा सकता है। सर्दियों के मौसम में धूल का खतरा दोगुना हो जाता है। अक्सर देखा गया है कि ठंड के दिनों में धूल जमीन से 5-10 फीट की ऊंचाई तक ही थमी रहती है, जिससे यह सीधे हमारे सांस लेने के दायरे में होती है। बुजुर्गों के लिए यह समय विशेष रूप से संवेदनशील होता है। ठंड के कारण रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे रक्तचाप बढ़ जाता है। यदि इस दौरान धूल के कारण फेफड़ों में संक्रमण या भारी खांसी होती है, तो शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। बुजुर्गों में सर्दियों के दौरान 'ब्रेन हेमरेज' और हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है, खासकर यदि वे अपनी बीपी की दवाइयां समय पर नहीं ले रहे हैं।

संपादकीय

नेपाल की राजनीति में नया अध्याय, बालेंद्र शाह की जीत से असली बदलाव की उम्मीद

नेपाल में हुए चुनाव के नतीजे आने के बाद देश की राजनीतिक तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। नई पीढ़ी के अगुआ बने बालेंद्र शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने कई दिग्गजों और पुरानी पार्टियों को भारी शिकस्त दी है। अगर सब कुछ उम्मीद के अनुरूप हुआ और बालेंद्र शाह को ही नेता चुना गया, तो नेपाल के संसदीय इतिहास में वे सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री होंगे। अब तक वहां जितने भी प्रधानमंत्री बने हैं, वे कभी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। माना जा रहा है कि दो-तिहाई सीटों पर जीत के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल कर चुकी आरएसपी के नेतृत्व में बनने वाली सरकार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगी। देश में पिछले दिनों हुए चुनावों में नागरिकों और विशेषकर युवा वर्ग ने इस पार्टी पर जिस तरह भरोसा किया है, उसके मद्देनजर नेपाल में भावी सरकार के सामने जन आकांक्षाओं को पूरा करने की बड़ी चुनौती होगी। वहीं नई सरकार को घरेलू समस्याओं से निपटने के साथ देश के आर्थिक विकास में आए ठहराव को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उसे पड़ोसी देशों खासकर India से संबंध बेहतर बनाने के भी प्रयास करने होंगे। पुरानी सरकार के कामकाज के जिस तरीके के खिलाफ वहां युवा वर्ग के भीतर व्यापक आक्रोश पैदा हुआ, उसे बदलना सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होगा। नेपाल के लोगों का मानना है कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेंद्र शाह के भीतर देश की राजनीति और नीतियों को बदल सकने की क्षमता है। दरअसल, शाह को महापौर के अपने कार्यकाल में जमीनी स्तर पर सुधार के कई कार्यों के लिए जाना जाता है। चुनावी नतीजों के बाद अब उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करने के साथ व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव करेंगे। नई सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती रोजगार सृजन की भी होगी। नेपाल में बेरोजगारी एक बहुत बड़ी समस्या है और बड़ी संख्या में वहां के युवा वर्षों से काम के लिए पलायन करते रहे हैं। बहरहाल, नेपाल में छह महीने पहले व्यवस्था में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर नई पीढ़ी के व्यापक आंदोलन से उभरे बालेंद्र शाह और उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सबकी उम्मीदों पर कितना खरा उतरेंगे, देश को किस तरह की वैकल्पिक राजनीति देंगे, यह देखने की बात होगी।

नो स्मोकिंग डेः निकोटीन का जहर और समाज का मौन संकट

लेखक-योगेश कुमार गोयल

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है लेकिन दुर्भाग्य से धूम्रपान और तंबाकू की लत इस अमूल्य धन को तेजी से नष्ट कर रही है। हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष यह दिवस 11 मार्च को मनाया जा रहा है।

यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में एक नई शुरुआत कर सकते हैं और धूम्रपान मुक्त जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। हर वर्ष इस दिन एक विशेष थीम के साथ लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। इस वर्ष का संदेश है 'धूम्रपान से मुक्त जीवन की शुरुआत एक धूम्रपान-मुक्त दिन से होती है।' इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति केवल एक दिन भी धूम्रपान से दूरी बना ले तो वह आगे चलकर इसे पूरी तरह छोड़ने की दिशा में पहला कदम उठा सकता है।

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं।

यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई-सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। विज्ञापन प्रतिबंधों के बावजूद सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से युवाओं को लक्ष्य बनाकर प्रचार किया जाता है। इस कारण किशोरों में तंबाकू की लत तेजी से फैल रही है, जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है।

तंबाकू के दुष्प्रभाव केवल कैंसर तक सीमित नहीं हैं। यह शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है और दुनिया में होने वाली फेफड़ों के कैंसर से लगभग 85 प्रतिशत मौतें धूम्रपान के कारण होती हैं। इसके अलावा तंबाकू हृदय रोग, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस और कई अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म देता है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से मुंह, गले, पेट, लीवर और आंतों के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

तंबाकू की समस्या भारत में भी काफी गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 25 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें अधिकांश पुरुष हैं लेकिन महिलाओं में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारत में तंबाकू सेवन के कई रूप प्रचलित हैं, जैसे खैनी, गुटखा, पान मसाला, जर्दा और सुपारी के साथ तंबाकू का सेवन। इन उत्पादों की आसान उपलब्धता और कम कीमत के कारण लोग जल्दी इसकी लत के शिकार हो जाते हैं। विभिन्न शोधों में यह भी सामने आया है कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों का इलाज बहुत महंगा होता है। यदि तंबाकू के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका आर्थिक बोझ बहुत अधिक बढ़ सकता है। मुंह के कैंसर के मामलों में भारत पहले से ही दुनिया के कई देशों से आगे है और इसका मुख्य कारण तंबाकू तथा गुटखे का व्यापक उपयोग है।

धूम्रपान केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह लत अवसाद, चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी मानसिक समस्याओं को भी जन्म देती है।

जब किशोरावस्था में यह आदत लग जाती है तो उसे छोड़ना बेहद कठिन हो जाता है और इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। धूम्रपान के खतरों को देखते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। सरकारों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कानून बनाए हैं, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया है और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी संदेश भी अनिवार्य किए हैं। इसके बावजूद केवल कानून से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता और व्यक्तिगत संकल्प दोनों जरूरी हैं। पत्रकारिता के अपने लंबे अनुभव के दौरान मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर व्यापक अध्ययन किया है। वर्ष 1993 में मेरी पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' प्रकाशित हुई थी, जिसमें तंबाकू और अन्य नशों से होने वाले भयानक परिणामों का विस्तार से उल्लेख किया गया था। उस समय भी यह चेतावनी दी गई थी कि यदि समाज ने समय रहते नशे के खिलाफ जागरूकता नहीं बढ़ाई तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे। आज तीन दशक बाद भी यह चिंता उतनी ही प्रासंगिक दिखाई देती है।

बहरहाल, नो स्मोकिंग डे हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर पल अमूल्य है और इसे किसी भी तरह की लत के कारण बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। धूम्रपान छोड़ना कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं।

यदि व्यक्ति दृढ़ निश्चय कर ले और परिवार तथा समाज का सहयोग मिले तो वह आसानी से इस लत से मुक्त हो सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि हम स्वयं भी धूम्रपान से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खतरों के बारे में जागरूक करें। आखिरकार, एक स्वस्थ समाज की शुरुआत स्वस्थ व्यक्तियों से ही होती है। यदि हम तंबाकू से दूरी बनाकर जीवन को अपनाएं तो न केवल अपना स्वास्थ्य सुरक्षित रख सकते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार कर सकते हैं। इसलिए इस नो स्मोकिंग डे पर संकल्प लें कि तंबाकू का साथ छोड़कर हर सांस को कीमती बनाएंगे और जीवन को स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

भारत में रसोई गैस का संकट देशभर में अफरा-तफरी

लेखक- सनत जैन

ईरान-इजरायल युद्ध का असर अब भारत में बड़े पैमाने पर दिखने लगा है। रसोई गैस की आपूर्ति पर जिस तरह के प्रतिबंध पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा लगाए जा रहे हैं, उसके बाद स्थिति बुरी तरह से गड़बड़ा गई है। होटल और रेस्टोरेंट के संचालकों को कामर्शियल गैस के सिलेंडर की आपूर्ति बंद कर दी गई है। जिसके कारण देशभर के हजारों रेस्टोरेंट और होटल बंद होने की कगार पर हैं। वहीं शादी-विवाह का सीजन होने के कारण इसका असर पूरे देश में देखने को मिल रहा है। गैस सिलेंडर की कीमत पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा बढ़ा दी गई है।

गैस की डिलीवरी भी मनमाने तरीके से की जा रही है। इसको देखते हुए केंद्र सरकार ने आनन-फानन में एस्मा लागू किया है। इससे स्पष्ट है, भारत में रसोई गैस को लेकर अचानक पैदा हुए संकट ने आम जनता से लेकर छोटे कारोबारियों को मुसीबत में डाल दिया है। कामर्शियल एवं घरेलू एलपीजी सिलेंडरों पर लगी पाबंदियों और आपूर्ति में आई रुकावटों के कारण देश के कई शहरों में होटल, रेस्टोरेंट और छोटे खाद्य व्यवसाय बंद होने की स्थिति में आ गए हैं। देश भर के कई स्थानों के होटल और ढाबों ने अस्थायी रूप से अपने व्यवसाय को बंद करने की घोषणा कर दी है, जिससे लाखों लोगों का रोजगार और करोड़ों लोगों की नौकरी में संकट उत्पन्न हो गया है। लोगों को चाय पानी नाश्ता और खाना भी कारोबारी स्थलों पर नहीं मिल पा रहा है। कामर्शियल गैस सिलेंडर का इस्तेमाल देश के लाखों छोटे बड़े व्यवसायों में होता है। जहां करोड़ों लोग काम करते हैं। सड़क किनारे चाय, पोहा, वड़ा-पाव, कुलचे-भटूरे बेचने वाले छोटे दुकानदार से लेकर बड़े रेस्टोरेंट तक सभी एलपीजी गैस पर निर्भर हैं। गैस सिलेंडर की सप्लाई में रुकावट आती है, बुकिंग पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाते हैं। इसका सीधा असर करोड़ों लोगों पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पडने जा रहा है। देश के कई शहरों में एजेंसियों के बाहर सिलेंडर लेने के लिए लंबी कतारें लग रही हैं। कहीं-कहीं कानून व्यवस्था की स्थिति भी गड़बड़ाने लगी है। हर तरफ बेचैनी का माहौल देखने को मिल रहा है। सरकार का दावा है, देश में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। किसी संकट की स्थिति नहीं है। विपक्ष ने संसद में चर्चा की मांग की, जिसे सरकार ने स्वीकार नहीं किया। 24 घंटे के अंदर ही जमीनी हालात कुछ और कहानी कह रहे हैं। कई जगहों पर गैस सिलेंडर की आपूर्ति की शिकायतें मिलने लगी हैं। इससे लोगों के बीच घबराहट फैल रही है। गैस की आपूर्ति पर कालाबाजारी होने लगी है। विशेषज्ञों का कहना है, इतने बड़े संकट में ऊर्जा आपूर्ति जैसे संवेदनशील मामले में नीतिगत निर्णय सोच-समझकर करने चाहिए। जब संसद सत्र चल रहा है, तब इस गंभीर संकट पर विस्तृत चर्चा होनी ही चाहिए। अचानक लगाए गए प्रतिबंध या आपूर्ति में बदलाव के निर्णय का असर केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका असर व्यापक स्तर पर सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। एलपीजी के अभाव में होटल और छोटे खाद्य व्यवसाय बंद होने लगे हैं। इससे लाखों मजदूरों, कर्मचारियों तथा छोटे कारोबारियों की आजीविका प्रभावित हो रही है। शहरी क्षेत्र में खाना बनाना भी आम परिवारों के लिए बड़ा मुश्किल हो जाएगा। भारत में बिजली की आपूर्ति बेहतर स्थिति में नहीं है। जिसके कारण ऊर्जा का संकट देश में प्रत्येक परिवार पर गंभीर रूप से प्रभाव डाल रहा है। सरकार की जिम्मेदारी है, वह वर्तमान स्थिति को पारदर्शिता के साथ संसद और आम जनता के सामने रखे। देश की जनता को विश्वास में ले। रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए सुनिश्चित किया जाए। पेट्रोल डीजल और रसोई गैस की उपलब्धता निरंतर बनी रहे।

एमपी किसान एप या जे. फार्म एप के माध्यम से उन्नत कृषि यंत्रों का उपयोग करें

हरदा। शब्द सारांश। किसान भाई एम.पी. किसान एप या जे.फार्म सर्विस एप के माध्यम से अपनी नजदीकी कस्टम हायरिंग केन्द्रों के संचालक से उन्नत कृषि यंत्रो को किराये पर अनुबंध कर, अपनी कृषि भूमि में उपयोग कर सकते है। उप संचालक कृषि श्री जे.एल. कास्दे ने बताया कि जिले में 171 कस्टम हायरिंग केंद्र स्थापित है, जिसमे से 81 कस्टम हायरिंग केंद्र, जे.फार्म सर्विस एप में पंजीकृत है। उन्होने बताया कि किसान भाई जे.फार्म सर्विस एप के माध्यम से सुपरसीडर, रिवर्सिवल प्लाउ, रीपर, रीपर कम बाइन्डर, स्ट्रा रीपर, मल्चर इत्यादि उन्नत कृषि यंत्रों को किराये पर लेकर, नरवाई प्रबंधन कर सकते है, साथ ही उन्नत कृषि यंत्रों के उपयोग करने से मृदा में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा में वृद्धि, फसलों की उत्पादकता में वृद्धि तथा उत्पादन लागत में कमी होगी जिससे कृषको की आय में वृद्धि हो सकेगी।

नेशनल लोक अदालत 14 मार्च को

बिजली चोरी के राशि 10 लाख रूपए तक के लंबित प्रकरणों के होंगे समझौते

हरदा। शब्द सारांश। म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्य क्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में 14 मार्च 2026 शनिवार को नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अन्य अनियमितताओं के प्रकरण को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। कंपनी द्वारा विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के तहत विद्युत चोरी के लंबित प्रकरणों एवं विशेष न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की गई है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि धारा 135 के तहत विद्युत चोरी के बनाए गए लंबित प्रकरण एवं अदालत में लंबित प्रकरणों का निराकरण के लिये निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रकरणों में ही छूट दी जाएगी।

प्रि-लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

कंपनी ने कहा है कि नेशनल लोक अदालत में छूट कुछ नियम एवं शर्तों के तहत दी जाएगी जो आंकलित सिविल दायित्व राशि 10,00,000 (दस लाख) रूपये तक के प्रकरणों के लिए सीमित रहेगी। यह छूट मात्र नेशनल ''लोक अदालत'' 14 मार्च 2026 को समझौते करने के लिये ही लागू रहेगी।

हरदा मुख्य डाकघर का आधार केंद्र जिले में अव्वल, अब तक 4000 नागरिक उठा चुके हैं लाभ

हरदा। शब्द सारांश। भारतीय डाक विभाग के अंतर्गत संचालित हरदा मुख्य डाकघर का आधार केंद्र इस वित्तीय वर्ष में अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के कारण जिले में प्रथम स्थान पर रहा है। शहर के बीचों-बीच स्थित होने और बेहतर प्रबंधन के कारण यहाँ अन्य केंद्रों की तुलना में सर्वाधिक आधार कार्ड बनाने और अपडेट करने का कीर्तिमान स्थापित किया गया है। इस वित्तीय वर्ष में अब तक मुख्य डाकघर के आधार केंद्र ने कुल 4 हजार आधार सेवाएं प्रदान की हैं। इसमें विशेष रूप से 2500 नागरिकों के आधार अपडेट किए गए हैं तथा 1500 नए आधार कार्ड सफलतापूर्वक एनरोल किए गए हैं। यह केंद्र शहर के मध्य में स्थित होने के कारण आमजनों की पहुँच के लिए अत्यंत सुलभ है। यहाँ आधार कार्यों के लिए एक विशेष काउंटर की व्यवस्था की गई है, जहाँ प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कार्य दिवसों में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इससे नागरिकों को अन्य निजी केंद्रों की तुलना में यहाँ आधार अपडेट कराना अधिक सरल और सुविधाजनक हो रहा है। डाक विभाग ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे आधार संबंधी सेवाओं के लिए परेशान न हों। नागरिक सीधे मुख्य डाकघर पहुँचकर शासकीय दरों पर अपना आधार अपडेट करा सकते हैं। साथ ही, अभिभावकों से विशेष अनुरोध है कि वे 5 वर्ष तक के बच्चों के नए आधार एनरोलमेंट हेतु केंद्र की सेवाओं का लाभ उठाएं, 5 वर्ष तक के बच्चों के नए आधार एनरोलमेंट निशुल्क बनाये जाते हैं।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

शब्द सारांश | हरदा

कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम में आए नागरिकों की समस्याएं सुनी और उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंजली जोसेफ जोनाथन, संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय एवं सुश्री रजनी वर्मा, हरदा एसडीएम श्री अशोक डहेरिया, एसडीएम खिरकिया सुश्री शिवांगी बघेल, टिमरनी एसडीएम श्री संजीव नागू सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में हरदा निवासी राजकुमार चन्द्रवंशी ने कलेक्टर श्री जैन को खाद्यान्न पात्रता पर्ची बनवाने के लिये आवेदन दिया, जिस पर जिला आपूर्ति अधिकारी को आवेदक की पात्रता अनुसार पात्रता पर्ची बनवाने के निर्देश दिये।

ग्राम चिराखान के ग्रामीणों ने कलेक्टर श्री जैन को आवेदन देकर खेल मैदान के लिये शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटवाने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर उन्होने वन मण्डलाधिकारी को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। विकासखण्ड उत्कृष्ट बालिका छात्रावास हरदा की कर्मचारियों ने आवेदन देकर समय पर भुगतान न होने तथा अधूरा भुगतान करने के संबंध में शिकायत की, जिस पर जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग को आवेदिकाओं की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये।

जनसुनवाई में ग्राम मझली के ग्रामीणों ने आवेदन देकर जली हुई डीपी बदलवाने की मांग की, जिस पर महाप्रबन्धक विद्युत वितरण कम्पनी को ग्रामीणों की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। हरदा निवासी विजय वर्मा ने जनसुनवाई में आवेदन देकर बिजली बिल अधिक आने के संबंध में शिकायत की, जिस पर महाप्रबन्धक विद्युत वितरण कम्पनी को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये।

ग्राम बम्हनगांव निवासी संतोष राजपूत ने आवेदन देकर सोयाबीन फसल की राहत राशि प्राप्त न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर तहसीलदार हरदा को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। ग्राम सेनगुड़ निवासी चन्द्रकला ने कृषक सम्मान निधि की राशि प्राप्त न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर तहसीलदार हरदा को आवेदिका की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये।

खिरकिया में नरवाई प्रबन्धन के संबंध में बैठक सम्पन्न

शब्द सारांश | हरदा

एसडीएम खिरकिया सुश्री शिवांगी बघेल की अध्यक्षता में मंगलवार को जनपद पंचायत के सभागार में विकासखण्ड खिरकिया के सभी पटवारी, सचिव एवं कृषि विभाग के कर्मचारियों की नरवाई न जलाने के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी सुश्री बघेल ने पटवारियों को निर्देश दिए कि ग्राम में कोटवार के माध्यम से मुनादी कराई जाए, ग्रामीणों की बैठक लेकर उन्हें नरवाई न जलाने हेतु समझाएं।

उन्होने बताया कि नरवाई जलाने से पर्यावरण के साथ साथ मानव जीवन पर काफी गलत असर पड़ता है। बैठक में एसडीएम सुश्री बघेल ने कहा कि नरवाई जलाना दंडनीय अपराध है, उल्लंघन करने पर सम्बंधित के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सचिवो को भी निर्देश दिए कि ग्राम में पानी के टैंकर भरकर रखें ताकि कोई अप्रिय स्थिति में उन टेंकर्स का उपयोग किया जा सके।

बैठक में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री टी. आर. चौहान ने बताया कि ये ध्यान रखे कि हार्वेस्टर में 'सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम' (एसएमएस) का उपयोग अनिवार्य है।

बिजली की डीपी के आसपास कचरा न रहे ताकि स्पार्किंग से कोई घटना न हो। ग्राम के मुख्य चौराहे पर नरवाई न जलाने के सम्बंध में स्लोगन लिखवाएं। उन्होने बताया कि जमीन की उर्वरा शक्ति लगातार कम होती जा रही है, फसल अवशेषों को जलाने के बजाय उनका उचित प्रबंधन करें।

कलेक्टर ने ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया

हरदा। शब्द सारांश। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहाँ की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही ईवीएम मशीनों के सुरक्षित रख-रखाव की व्यवस्थाओं को देखा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री जैन ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सतीश राय, कांग्रेस राजनैतिक दल से श्री मोहन सांई व भारतीय जनता पार्टी से श्री देवीसिंह सांखला सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

साइट स्टोरी: नए इलाके और अपना साम्राज्य तलाश रहे हैं 'सतपुड़ा के राजकुमार'

चूरना के मालनी बाड़े में रहकर करीब 8 महीने तक शिकार की कला सीखी इन बाघों ने

शब्द सारांश/नर्मदापुरम

इन दिनों सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के चूरना के मालनी बाड़े में पले बढ़े दो युवा बाघों ने अपने लिए नए इलाके ओर साम्राज्य की तलाश शुरू कर दी है जिसके लिए वे कोर क्षेत्र से बाहर निकल गए हैं। कोर क्षेत्र से दो कॉलर वाले बाघों ने अपनी पारंपरिक सरहदें लांघ दी हैं। ये दोनों %राजकुमार% अब नए साम्राज्य की तलाश में निकल पड़े हैं। बताया जा रहा है कि दोनों बाघ युवा हैं।और नर्मदापुरम जिले के प्रादेशिक वन क्षेत्रों में प्रवेश कर चुके हैं।

वन विभाग के रेडियो कॉलर से इनकी हर हरकत पर नजर रखी जा रही है।ये दोनों बाघ पिछले साल मार्च 2025 में रायसेन की भोजपुर रेंज में अपनी मां से बिछड़ने के बाद वन विभाग द्वारा बचाए गए थे। उन्हें %चूरना के मालनी बाड़े% में रखकर करीब 8 महीने तक शिकार की कला सिखाई गई। 2 जनवरी 2026 को इन्हें खुले जंगल में आजाद किया गया था, ताकि वे अपना स्वतंत्र टेरिटरी बना सकें। वन विभाग के अनुसार, 17 फरवरी को पहला बाघ सतपुड़ा की सीमा पार कर इटारसी रेंज के जंगलों में दाखिल हुआ। दो दिन बाद दूसरा बाघ भी उसी राह पर चल पड़ा। अब दोनों नर्मदापुरम जिले के टेरिटोरियल फॉरेस्ट में विचरण कर रहे हैं।एसटी आर की क्षेत्र संचालक राखी नंदा ने बताया कि, बाघों का कोर एरिया से बाहर निकलना उनकी स्वाभाविक प्रवृत्ति है। वे नए इलाके और अपना साम्राज्य तलाश रहे हैं। एक ग्रामीण ने हाल ही में इनमें से एक बाघ से आमना-सामना किया, लेकिन बाघ पूरी तरह शांत रहा और कोई हमला नहीं किया। इससे साबित होता है कि ये बाघ इंसानों से दूरी बनाए रखना पसंद करते हैं। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि यदि बाघ दिखे तो घबराएं नहीं, शोर मचाकर उकसाएं नहीं, न ही फोटो-वीडियो के चक्कर में करीब जाएं। तुरंत नजदीकी फॉरेस्ट बीट गार्ड या रेंज ऑफिस को सूचित करें। एसटीआर और टेरिटोरियल टीमों की संयुक्त टीमें 24 घंटे इन बाघों की लोकेशन ट्रैक कर रही हैं, ताकि बाघ और स्थानीय निवासियों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित रहे।सैटेलाइट और रेडियो कॉलर की मदद से इन राजकुमारों की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। वन्यजीव प्रेमी इसे सतपुड़ा के बढ़ते बाघ संरक्षण और प्राकृतिक विस्तार का सकारात्मक संकेत मान रहे हैं।

राठौर समाज का होली मिलन कार्यक्रम संपन्न महिला दिवस पर दिया नशा मुक्ति का संदेश

सिवनी मालवा। स्थानीय क्षत्रिय राठौर समाज द्वारा रविवार को शिवपुरी रोड स्थित वृंदावन मैरिज गार्डन में सामूहिक होली मिलन समारोह का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में समाज के महिला-पुरुषों और बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से आयोजन को यादगार बना दिया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में समाज की महिलाओं का सम्मान करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी गईं तथा फूलों और गुलाल से होली खेलकर पर्व की खुशियां साझा की गईं।कार्यक्रम की शुरुआत प्रथम पूज्य भगवान श्री सिद्धिविनायक गणेश की वंदना के साथ हुई। गणेश मंदिर के पुजारी पंडित अशोक शर्मा एवं अमित शर्मा ने मंत्रोच्चारण कर गणपति वंदना कराई। इसके बाद समाज की महिलाओं, पुरुषों और बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। राठौर समाज की महिलाओं ने मंच से अपना परिचय देते हुए महिला दिवस के महत्व पर विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर समाज की महिलाओं ने परिवार और समाज में शांति एवं सद्भाव बनाए रखने के लिए नशा मुक्ति का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि नशा परिवार में अशांति का कारण बनता है, इसलिए सभी को इससे दूर रहकर अपने घर-परिवार को सुखी और समृद्ध बनाना चाहिए।

बच्चों की प्रस्तुतियों ने बढ़ाया उत्साह: होली मिलन के दौरान समाज के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने होली के गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों को उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सराहा, जिससे कार्यक्रम का उत्साह और भी बढ़ गया।

गुलाल और फूलों से खेली होली: समारोह में समाज के वरिष्ठजनों और अतिथियों का स्वागत गुलाल और पुष्प वर्षा कर किया गया। इसके बाद समाजजनों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। ढोल और बाजों की धुन पर सभी ने झूमकर नृत्य किया, जिससे पूरा परिसर उत्सवमय हो उठा।इस अवसर पर बड़ी संख्या में राठौर समाज के बंधु, महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने समाज में एकता, भाईचारे और उत्सव की भावना को और मजबूत किया।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में केंद्रीय बजट पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित

शब्द सारांश | सिवनी मालवा

शासकीय कन्या महाविद्यालय में केंद्रीय बजट पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार की थीम सबका साथ, सबका विकास रखी गई।वेबिनार का आयोजन सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा भारतीय कम्प्यूटिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत नवीन बजट के विभिन्न पहलुओं और उसके सामाजिक व आर्थिक प्रभावों पर चर्चा करना था।निर्धारित कार्यक्रम अनुसार प्रात: 10.30 बजे वेबिनार का शुभारंभ विशिष्ट अतिथियों द्वारा किया गया। इसके पश्चात पूर्वाह्न 11.35 से 12.00 बजे तक प्रधानमंत्री द्वारा वेबिनार को संबोधित किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने सबका साथ, सबका विकास की भावना के अनुरूप बजट में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सृजन तथा बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष जोर दिए जाने की बात कही।

वक्ताओं ने बताया कि बजट में ग्रामीण विकास, स्टार्ट-अप को प्रोत्साहन, डिजिटल तकनीक के विस्तार तथा युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने से संबंधित कई महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल की गई हैं। इन योजनाओं से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही समाज के सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने में सहायता मिलेगी।वेबिनार में महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य मनोज प्रजापति, वेबिनार प्रभारी डॉ. रीमा नागवंशी प्रवीण साहू सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण, स्टाफ एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

ग्राम करताज में पशु जागरूकता शिविर आयोजित

नरसिंहपुर। क्षीर धारा योजना के अंतर्गत पशुपालन एवं डेयरी विभाग नरसिंहपुर द्वारा जिले के ग्राम करताज में एक दिवसीय पशु जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य पशुपालन को आधुनिक बनाने और पशुपालकों को शासन की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं से अवगत कराना है। शिविर के दौरान विभागीय टीम ने ग्राम का भ्रमण किया। शिविर प्रभारी एव्हीएफओ श्री हरिहर बुनकर ने अपनी पशु चिकित्सीय टीम के साथ पशुओं का सघन स्वास्थ्य परीक्षण किया। एव्हीएफओ श्री रोहित मेहरा और प्रिंस मुड़िया ने ग्राम के पशुओं का गर्भ परीक्षण किया गया और पशुपालकों को उचित प्रबंधन के सुझाव दिए गए। शिविर में कृषि विस्तार अधिकारी श्री रवि कुमार ढाकुर ने ग्रामीणों से अपील की कि वे जैविक खेती और ऊर्जा संरक्षण के लिए गोबर गैस संयंत्र का अधिक से अधिक निर्माण कराएं।

डॉ. गुर्जर डेंटल क्लीनिक

फिक्स दांत, रूट केनाल इलाज, आडे-तिरछे दांतो का 100 प्रतिशत इलाज

डॉ. मनीष गुर्जर (बी.डी.एस. , डी.पी.एच.)

पता:- सरकारी हास्पिटल के पास, हरदा म.प्र. मोबाइल नं. - 7509850234

आई.टी.सी.एल. कम्प्यूटर सेन्टर

कम्प्युटर से संबंधित सभी प्रकार के कोर्स कराये जाते है एवं कम्प्युटर सुधारने एवं बेचने के कार्य किये जाते है

दीपक कुमार नेमा (संचालक)

पता: - काशीबाई कन्याशाला के सामने, हरदा म.प्र. मोबाइल नं.- 9993117760

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

मैहर, कैमोर और निमरानी में 3 नये औषधालयों को मंजूरी

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद ने कल्याणकारी योजनाओं सहित विभिन्न 7 विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं की आगामी 5 वर्षों तक निरंतरता के लिए लगभग 33 हजार 240 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री यंग इंटनर्स फॉर गुड-गवर्नेंस प्रोगाम को भी मंजूरी दी है। सिंगरौली के चितरंगी में कनिष्ठ व्यवहार न्यायाधीश सहित कुल 7 नवीन पदों के सृजन की भी मंत्रि-परिषद द्वारा स्वीकृति दी है। मंत्रि-परिषद ने मैहर, कैमोर जिला कटनी और निमरानी जिला खरगोन में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 3 औषधालय खोलने सहित चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टॉफ के 51 पदों के सृजन को स्वीकृति दी गयी है। मंत्रि-परिषद द्वारा मुख्यमंत्री यंग इंटर्नस फॉर गुड-गवर्नेंस प्रोग्राम को 3 वर्ष के लिए क्रियान्वयन के लिए लगभग 190 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। लोक सेवा प्रबंधन विभाग को अग्रिम कार्यवाही तथा प्रक्रिया निर्धारण कर नियमों एवं निर्देशों को जारी कर क्रियान्वयन के लिए अधिकृत किया गया है।

7 जिलों के लिए एक जिला-एक उत्पाद परियोजना का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद द्वारा एक जिला-एक उत्पाद परियोजना अंतर्गत चयनित 07 जिलों में पारंपरिक व विशिष्ट उत्पाद के सरंक्षण, विकास और विपणन हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए आगामी 5 वर्षों में 37.50 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस परियोजना में चयनित 07 जिलों में सीधी जिले में दरी एवं कारपेट, दतिया में गुड़, अशोकनगर में चंदेरी, हाथकरघा वस्त्र, भोपाल मे जरी-जरदोजी एवं जूट उत्पाद (जैसे पर्स आदि), धार में बाग प्रिंट, सीहोर में लकड़ी के खिलौने तथा उज्जैन में बटिक प्रिंट में आगामी 5 वर्षों के लिए 37.50 करोड़ रूपये की डी.पी.आर, तैयार की गयी है।इस परियोजना से स्थानीय शिल्पकारों, बुनकरों और कारीगरों को प्रशिक्षण, डिजिटलीकरण, ब्रांडिंग, विपणन तथा बाजार उपलब्धता जैसी सुविधायें प्रदान की जाएगी। यह परियोजना प्रदेश में स्थानीय उद्यमिता को बढावा, रोजगार सृजन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

मंत्रि-परिषद ने चितरंगी जिला सिंगरौली में व्यवहार न्यायालय की स्थापना के लिए व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड का एक नवीन पद और उनके कार्यालयीन अमले के लिए तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 6 नवीन पद सहित कुल 7 नवीन पदों का सृजन किये जाने की स्वीकृत प्रदान की है।

मैहर, कैमोर और निमरानी में 3 नये औषधालयों को मंजूरी

मंत्रि-परिषद ने भारत सरकार के कर्मचारी राज्य बीमा निगम (इएसआईसी) द्वारा मैहर (जिला-मैहर), कैमोर (जिला कटनी), तथा निमरानी (जिला खरगौन) में 3 नये औषधालयों को खोलने एवं चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टॉफ के 51 पदों का सृजन की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

मैहर, कैमोर तथा निमरानी में नये कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय खोलने एवं नये पद सृजित करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

भोपाल एयरपोर्ट पर एयरलाइंस नहीं दिखा रहीं रुचि

समर शेड्यूल में एक भी नई लेट नाइट उड़ान नहीं

भोपाल। इस माह के अंत से लागू हो रहे समर शेड्यूल में एक भी लेट नाइट उड़ान शामिल नहीं हो सकी है। एयरपोर्ट अथारिटी ने एयरलाइंस कंपनियों को टाइम लिमिट से हटकर 24 घंटे में किसी भी समय स्लाट देने की पेशकश की है। इसके बावजूद एयरलाइंस कंपनियां रुचि नहीं दिखा रही हैं। फिलहाल लेट नाइट उड़ान के रूप में केवल पुणे रूट पर एक उड़ान है। एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने के उद्देश्य से लंबे समय से दिल्ली, मुंबई, कोलकात्ता एयरपोर्ट्स की तरह 24 घंटे उड़ान संचालन को बढ़ावा दे रही हैं, लेकिन एयरलाइंस कंपनियां इसमें रूचि नहीं ले रही हैं। राजा भोज एयरपोर्ट पिछले डेढ़ साल से 24 घंटे खुल रहा है। इस अवधि में इंडिगो ने ही एक स्थाई पुणे उड़ान प्रारंभ की। कुछ समय के लिए मुंबई उड़ान प्रारंभ हुई फिर बंद हो गई। भोपाल से बेंगलुरू के लिए लंबे अर्से से लेट नाइट उड़ान की जरूरत महसूस की जा रही है। इस रूट पर दो नियमित उड़ाने हैं इसके बावजूद सस्ते टिकट नहीं मिलते। लेट नाइट

उड़ानों में आमतौर पर सस्ते किराये में सीटों की बुकिंग होती है। एयरलाइंस कंपनियां देर रात को विमान पार्किंग में खड़े करने के बजाय ऐसे रूट पर इनका संचालन करती हैं जहां से 70 प्रतिशत से अधिक पैंसेजर लोड मिल सके। भोपाल से पुणे के बीच 80 प्रतिशत बुकिंग हो रही है। यदि बेंगलुरु, मुंबई एवं दिल्ली तक देर रात की उड़ानें प्रारंभ हो जाएं तो यात्रियों को बड़ी राहत मिल सकती है। दिल्ली बंद, नवी मुंबई शुरू होगी 29 मार्च से लागू हो रहे समर शेड्यूल में भोपाल से केवल नवी मुंबई तक एक उड़ान प्रारंभ हो रही है। मुंबई की एक उड़ान बंद होने का प्रस्ताव है। एयर इंडिया की मार्निंग उड़ान भी एक माह के लिए बंद हो रही है। गोवा एवं अहमदाबाद उड़ान भी बंद करने का प्रस्ताव है। यानि पहली बार समर सीजन में भोपाल से एयर कनेक्टिविटी बढ? के बजाय कम होने जा रही है। समर शेड्यूल करीब छह माह लागू रहता है। मिड सीजन में कुछ नए रूट भोपाल से जुड़ेंगे। एयर इंडिया ने तकनीकी कारण से दिल्ली उड़ान एक माह के लिए बंद करने का निर्णय लिया है। अगले दो-तीन माह में एयर कनेक्टिविटी बढ़ेगी। लेट नाइट उड़ानें शुरू कराने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

भोपाल के बड़ा तालाब का सीमांकन दोबारा शुरू

सैर सपाटा-स्विमिंग पूल भी 50 मीटर के दायरे में

भोपाल। होली के बाद राजधानी में बड़ा तालाब के किनारे 50 मीटर क्षेत्र का सीमांकन करने की कार्रवाई सोमवार से फिर शुरू कर दी गई। टीटी नगर एसडीएम कार्यालय की टीम ने नगर निगम के साथ मिलकर यह अभियान भदभदा स्थित सेवनिया गौंड क्षेत्र से शुरू किया। मंगलवार को भी टीम ने सीमांकन किया। सीमांकन की शुरूआत जिस स्थान से की गई, वहां आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा की सास रेखा तिवारी के नाम दर्ज संपत्ति का एक हिस्सा भी एफटीएल (फुल टैंक लेवल) की सीमा में पाया गया है। बताया जाता है कि करीब दो वर्ष पहले लोकायुक्त, आयकर विभाग और ईडी ने सौरभ शर्मा की संपत्तियों की जांच की थी, जिसके दौरान कई संपत्तियों को अटैच किया गया था। सूत्रों के अनुसार, सौरभ शर्मा और उसके सहयोगी चेतन गौर तथा शरद जायसवाल का इस जमीन पर आना-जाना रहता था। उनकी निगरानी में यहां रो-हाउस निर्माण का कार्य भी चल रहा था, हालांकि इन मकानों की दूरी मुख्य क्षेत्र से कुछ दूर बताई जा रही है। इसी इलाके में जिला प्रशासन की टीम ने अन्य लोगों के करीब 10 अतिक्रमण चिन्हित कर लाल निशान लगा दिए हैं। तहसीलदार कुणाल राउत ने बताया

कि सभी अतिक्रमणकारियों की सूची तैयार की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जाएगी। 1 किमी में 10 अतिक्रमण मिले नगर निगम, पुलिस और वन विभाग की मौजूदगी में तहसीलदार कुणाल रावत समेत राजस्व निरीक्षक और पटवारियों की टीम ने सीमांकन किया। 1 किमी तक सीमांकन हुआ। इस दौरान 10 अतिक्रमण सामने आए। इनमें से 9 अतिक्रमण लोगों ने किए थे। इनमें फेंसिंग, स्विमिंग पूल, टीन शेड बनाकर अतिक्रमण किया गया। वहीं, सैर सपाटा का निर्माण भी एफटीएन से 50 मीटर के दायरे में आना पाया गया।

भोपाल में 20 से 100 प्रतिशत तक महंगी होगी प्रॉपर्टी

राजधानी में 500 से अधिक लोकेशन पर नई कलेक्टर गाइडलाइन लागू करने की तैयारी

अधिकारियों के अनुसार कई क्षेत्रों में सरकारी परियोजनाएं शुरू होने के कारण वहां किसी प्रकार की वृद्धि प्रस्तावित नहीं की गई है।

भोपाल। भोपाल में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए तैयार की गई कलेक्टर गाइडलाइन में कई क्षेत्रों में प्रॉपर्टी की कीमतों में भारी वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया है। शहर की करीब 500 से अधिक लोकेशन

पर जमीन और प्रॉपर्टी के दामों में 50 से 100 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की तैयारी की गई है। हालांकि नई गाइडलाइन में लोकेशन की संख्या घटाकर 2,175 कर दी गई है, जबकि वर्तमान गाइडलाइन में 2,881 लोकेशन शामिल थीं। कई क्षेत्रों में सरकारी परियोजनाओं के कारण कीमतों में वृद्धि प्रस्तावित नहीं की गई है। नई कलेक्टर गाइडलाइन में कुल 706 लोकेशन कम कर दी गई हैं। पहले जहां 2,881 लोकेशन शामिल थीं, वहीं अब केवल 2,175 लोकेशन को ही गाइडलाइन में रखा गया है। अधिकारियों के अनुसार कई क्षेत्रों में सरकारी परियोजनाएं शुरू होने के कारण वहां किसी प्रकार की वृद्धि प्रस्तावित नहीं की गई है। कई इलाकों में 20 से 100 प्रतिशत तक बढ़ोतरी कलेक्टर गाइडलाइन के प्रस्ताव के अनुसार शहर के कई प्रमुख क्षेत्रों में प्रॉपर्टी के दामों में बड़ी वृद्धि की तैयारी है। करोंद, पलासी, गांधीनगर, बैरागढ़, परवलिया सडक, अयोध्या बायपास, आनंद नगर, रातीबड़, नीलबड़ और कोलार सहित कई क्षेत्रों में जमीन की कीमतों में 20 से 100 प्रतिशत तक वृद्धि प्रस्तावित की गई है। इसके अलावा रायसेन रोड, विदिशा रोड, बैरसिया रोड, नर्मदापुरम रोड, भोपाल-इंदौर रोड, भोपाल बायपास, बंगरसिया, 11 मील और कटारा हिल्स जैसे क्षेत्रों में भी कीमतों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा गया है। 621 लोकेशन पर 11 प्रतिशत वृद्धि का दावा पंजीयन और राजस्व अधिकारियों ने प्रस्ताव में 621 लोकेशन पर औसतन 11 प्रतिशत वृद्धि का दावा किया है। हालांकि जब यह प्रस्ताव पोर्टल पर अपलोड हुआ तो कई क्षेत्रों में इससे कहीं अधिक वृद्धि का प्रस्ताव सामने आया। अभी तक नहीं आई आपत्ति कलेक्टर गाइडलाइन का प्रस्ताव दो दिन पहले ही आम लोगों के लिए पोर्टल पर अपलोड किया गया है। जानकारी के अभाव में अब तक इस पर एक भी ऑनलाइन आपत्ति दर्ज नहीं हुई है। अगर, इसी तरह कोई आपत्ति नहीं आती है, तो अधिकतम वृद्धि वाले प्रस्ताव को केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड के पास अंतिम मंजूरी के लिए भेज दिया जाएगा।

उत्तम नगर हत्याकांड: वीरान गलियां, बाजारों में सन्नाटा, छह दिन बाद भी दहशत, मुख्य आरोपी सायरा समेत आठ पकड़े

नई दिल्ली: उत्तम नगर के ए-ब्लॉक की जिन तंग गलियों में कभी बच्चों का शोर-शराबा और बाजारों की रौनक हुआ करती थी, वहां की गलियां अब वीरान हो गई हैं। बाजारों में सन्नाटा पसरा है। होली हत्याकांड के बाद से स्थानीय लोगों के चेहरे पर मायूसी छाई है। स्थानीय लोगों के मन में दहशत का माहौल बना हुआ है। वारदात के छह दिन बीत जाने के बाद भी जनजीवन पटरी पर नहीं लौट सका है। इलाके में प्रमुख मार्गों की घेराबंदी की गई है। पुलिस की चहल कदमी बढ़ गई है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस की बैरिकेडिंग लगी हुई है। पुलिसकर्मी हालात सामान्य करने में लगे हुए हैं। एहतियात के तौर पर इलाके में केवल परचून और दवा की दुकानें खुली हुई है, ताकि जरूरी सेवाओं में बाधा न आए।

दुकानदार रोहित ने बताया कि इलाके में ऐसे हालात देखकर लॉकडाउन वाले दिन याद आ गए हैं। तनाव का सीधा असर कारोबार पर पड़ा है। दुकानों के शटर गिरे हैं। लोगों की आवाजाही पर सख्ती बरती जा रही है। निवासी दिनेश कुमार ने बताया कि पहले पार्क शाम के समय युवाओं और बच्चों की भीड़ से गुलजार रहते थे, लेकिन पार्क के गेट पर ताले लटके हुए हैं। पार्क खुले होने से लोग आकर बैठते थे। टहलते थे और कसरत करते थे, लेकिन अब लोग घरों के अंदर ही बैठे रहते हैं।

बुलडोजर कार्रवाई के बाद अधिक संवेदनशील हुआ इलाका

निवासी अमित ने बताया कि बुलडोजर कार्रवाई के बाद से ही पूरा इलाका संवेदनशील हो गया है। प्रशासन की ओर से एक मकान को ढहाने की कार्रवाई ने इलाके छावनी में तब्दील कर दिया है। वहीं, सोमवार को स्थिति तब और गंभीर हो गई जब कई हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उन्हें सुरक्षा कारणों से बैरिकेड्स पर ही रोक दिया।

मुख्य आरोपी महिला सायरा उर्फ काली समेत आठ पकड़े

उत्तम नगर इलाके में होली के दिन हुई तरुण की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी महिला 40 साल की सायरा उर्फ काली समेत आठ लोगों को पकड़ लिया है। जिसमें तीन महिला और एक नाबालिग शामिल हैं। पुलिस ने तीनों महिलाओं को ख्याला इलाके से पकड़ा है। सायरा वही महिला है, जिसने जरा सी बात का बखेड़ा बनाया और बात हत्या तक पहुंच गई। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 40 साल की सायरा उर्फ काली, 50 साल की सरीफन, 36 साल की सलमा, 21 साल का सुहैल उर्फ साहिल, 20 साल के समीर चौहान, 22 साल के फिरोज और 50 साल के इस्माइल (50) के रूप में हुई है। वहीं नाबालिग 14 साल का है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए अब तक 14 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है, वहीं वारदात में शामिल दो नाबालिगों को पकड़ा है। पुलिस अन्य आरोपियों की जानकारी जुटा रही है।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक पकड़ी गई महिलाओं से पूछताछ कर रही है। इस मामले में और भी लोगों के पकड़े जाने की संभावना है। दिल्ली पुलिस इस हत्याकांड में पहले ही एक नाबालिग समेत सात लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। यह घटना होली के दिन उत्तम नगर की जेजे कॉलोनी में हुई। पीड़ित पक्ष का दावा है कि 11 साल की बच्ची अपनी छत से होली खेल रही थी। इसी दौरान अपने ताऊ की और फेंका गया एक गुब्बारा नीचे गिर कर फट गया और वहां गुजर रही मुस्लिम महिला सायरा उर्फ काली पर रंग के छींटें चली गईं। बच्ची के परिवार ने बताया कि उन्होंने महिला से तुरंत माफी मांग ली थी।

इसके बावजूद महिला ने हंगामा किया और उसके परिजन और रिश्तेदार भी वहां पहुंच गए। आरोपी परिवार ने मारपीट की। दोस्तों के साथ होली खेलने गया 26 साल का तरुण कुमार इस घटना से अंजान था। जब वह होली खेलकर घर लौट रहा था तभी आरोपियों ने उसे गली में घेर लिया। उस पर क्रिकेट बैट, लाठियों और पत्थरों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। तरुण कुमार को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां अगले दिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

इलाके में बढ़ा तनाव, पुलिस मुस्तैद :

तरुण की मौत के बाद शुक्रवार को इलाके में काफी तनाव बढ़ गया। हिंदू संगठनों ने घटना का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य सड़कों को जाम कर दिया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। आरोपी परिवार के घर में घुसकर तोड़फोड़ की और कुछ वाहनों पर तोड़फोड़ व आगजनी की। तनाव को देखते हुए इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

सात की मौत: 60 फीट गहरे बेसमेंट से दबे मजदूर, समय पर मिलती सूचना तो बच जाती कई की जान; दीवार ढहने से हादसा

गुरुग्राम: गुरुग्राम के बिलासपुर थाना इलाके स्थित सिधरावली में सिग्नेचर ग्लोबल की निमार्णाधीन सोसाइटी में सोमवार रात बेसमेंट की मिट्टी के साथ दीवार ढहने से सात मजदूरों की मौत हो गई। चार घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मलबे में कई मजदूरों के दबे होने की आशंका है। पुलिस ने राहत और बचाव कार्य के साथ मामले की जांच शुरू कर दी है।

सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गई और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने का काम शुरू कर दिया। गहराई ज्यादा होने की वजह से बचाव दल को काफी समस्या आ रही थी। देर रात तक बचाव कार्य जारी रहा। पुलिस के मुताबिक, हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। मिट्टी से निकालकर मजदूरों को राजस्थान के भिवाड़ी स्थित नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां सात मजदूरों को मृत घोषित कर दिया, जबकि चार मजदूरों की हालत गंभीर बनी हुई है।

डीसीपी मानेसर दीपक कुमार ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही बचाव कार्य शुरू करा दिया गया। हादसे की जांच की जा रही है।

समय पर मिलती सूचना तो बच जाती कई की जान

छानबीन के दौरान पता चला है कि घटना करीब 7:30 बजे की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हादसे के बाद प्रोजेक्ट मैनेजर की ओर से पहले अपने स्तर पर ही मजदूरों को निकल जाने का प्रयास किया

- सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गई और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने का काम शुरू कर दिया। गहराई ज्यादा होने की वजह से बचाव दल को काफी समस्या आ रही थी। देर रात तक बचाव कार्य जारी रहा।

गया। जब मामला बिगड़ता देखा तो पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। राहत के काम में जुड़े लोगों का मानना है कि अगर समय पर जानकारी मिल गई होती तो कई मजदूर की जान बच सकती थी।

सिग्नेचर ग्लोबल बिल्डर के सिटी ऑफ कलर्स के नाम से प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है। जहां सोमवार की रात करीब 7:30 बजे निमार्णाधीन साइट के बेसमेंट की मिट्टी टूट कर मजदूरों पर गिर गई। साथ में दीवार भी ढह गई। करीब 60 फीट गहरे बेसमेंट से दबे मजदूरों को निकालने के लिए राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

भिवाड़ी के सरकारी अस्पताल पहुंचे मजदूरों में सतीश, भागीरथ, मिलन, मंगोल, शिव शंकर, परमेश्वर समेत सात को मृत घोषित कर दिया। चार मजदूर छोटेलाल, शिवकांत, दीन दयाल, इंद्रजीत की हालत गंभीर बताई गई है। घायल व मृतक मजदूर यूपी व नेपाल के बताए जा रहे हैं। बिलासपुर थाना के प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।

होली पर गए थे मजदूर घर वरना हो जाता और बड़ा हादसा

बिल्डर का प्रोजेक्ट पर काफी दिनों से चल रहा था। यूपी के रहने वाले श्रमिकों की एक टोली होली पर घर गई हुई है जो अभी तक वापस नहीं आई है। रामदीन का कहना है कि यहां पर रोजाना काम करने वाले मजदूरों की संख्या ज्यादा होती है। होली के चलते मजदूर भाई अभी घर गए हुए हैं। अगर मजदूरों की संख्या ज्यादा रहती तो और बड़ा हादसा होता।

नेहरू कॉलेज की छह मंजिला नई इमारत तैयार, स्मार्ट कैंपस बनाने की कवायद

फरीदाबाद। सेक्टर-16 स्थित पंडित जवाहर लाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय की नई छह मंजिला इमारत का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है । अब इसे आधुनिक डिजिटल सुविधाओं से लैस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हरियाणा लोक निर्माण विभाग ने योजना के तहत कॉलेज को स्मार्ट कैंपस के रूप में विकसित करने की प्रशासनिक कवायद शुरू कर दी है। करीब 32 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुई यह नई इमारत न केवल कॉलेज की बुनियादी जरूरतों को पूरा करेगी, बल्कि डिजिटल शिक्षा के लिहाज से भी इसे जिले के प्रमुख सरकारी संस्थानों में शामिल कर देगी। अधिकारियों के अनुसार तकनीकी उपकरणों की खरीद और स्थापना का काम टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद चार महीने के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

अब तकनीकी सुविधाओं पर फोकस

लंबे समय से निमार्णाधीन रही कॉलेज की नई बिल्डिंग का सिविल वर्क हाल ही में पूरा हुआ है। इसके बाद अब प्रशासनिक स्तर पर अगला चरण शुरू किया गया है, जिसमें कक्षाओं और लेक्चर थिएटर को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार कक्षाओं में 75 इंच के फॉर के इंटरएक्टिव फ्लैट पैनल लगाए जाएंगे। इसके साथ डिजिटल पोडियम और उन्नत लेक्चर रिकॉर्डिंग सिस्टम भी स्थापित किए जाएंगे। इससे शिक्षक प्रेजेंटेशन आधारित पढ़ाई कर सकेंगे और छात्रों को विजुअल माध्यम से विषय समझने में आसानी होगी। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह व्यवस्था पारंपरिक ब्लैक बोर्ड आधारित पढ़ाई को डिजिटल लर्निंग मॉडल में बदलने की दिशा में कदम है।

डिजिटल पोडियम और रिकॉर्डिंग सिस्टम से बदलेगी पढ़ाई

नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक प्रमुख कक्षा में डिजिटल पोडियम लगाए जाएंगे। इनके माध्यम से शिक्षक सीधे डिजिटल स्क्रीन पर प्रेजेंटेशन, ग्राफिक्स और वीडियो के जरिए विषय समझा सकेंगे। इसके अलावा लेक्चर रिकॉर्डिंग सिस्टम भी लगाया जाएगा, जिसमें हाई-क्वालिटी कैमरे और वायरलेस ऑडियो सिस्टम शामिल होंगे। इससे पूरे लेक्चर को रिकॉर्ड किया जा सकेगा। रिकॉर्ड किए गए लेक्चर को डिजिटल लाइब्रेरी या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया जा सकेगा, जिससे अनुपस्थित छात्र भी बाद में पढ़ाई पूरी कर सकेंगे। यह सुविधा विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए भी उपयोगी मानी जा रही है।

सुरक्षा के लिए सीसीटीवी और फायर अलार्म सिस्टम

नई बिल्डिंग में सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी गई है। प्रस्ताव के अनुसार पूरे परिसर में पीडीजी सीसीटीवी कैमरा सिस्टम लगाया जाएगा, जिससे कॉलेज के मुख्य प्रवेश द्वार, कॉरिडोर और महत्वपूर्ण स्थानों की निगरानी की जा सकेगी। तकनीकी उपकरणों की आपूर्ति और स्थापना के लिए 18 मार्च 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसके बाद 19 मार्च को तकनीकी बिड का मूल्यांकन किया जाएगा। इसके साथ ही इमारत में अत्याधुनिक फायर अलार्म सिस्टम भी लगाया जाएगा, जिससे किसी भी आपात स्थिति में तुरंत चेतावनी मिल सके और समय रहते बचाव किया जा सके।

रश्मिका ने महिलाओं को दिया खास मैसेज

रश्मिका ने उन तमाम महिलाओं को सलाम किया जो मुश्किल हालातों में भी हार नहीं मानतीं और चुपचाप अपनी जिंदगी संभालती हैं। रश्मिका ने अपने पोस्ट में लिखा, सभी खूबसूरत महिलाओं के लिए... आज आपका दिन है, लेकिन सच कहूं तो, हर दिन आपका होना चाहिए। उन महिलाओं के लिए जो बड़े सपने देखती हैं, जो बहुत मेहनत करती हैं, लेकिन जिनकी जीत का जश्न हमेशा नहीं मनाया जाता। उन महिलाओं के लिए जो चुपचाप सब कुछ संभालती हैं, जो अभी भी जिंदगी को समझने की कोशिश कर रही हैं। और उन महिलाओं के लिए जो मुश्किल दिनों में भी मुस्कुराती हैं, जब हार मानने का मन करता है, लेकिन खुद से कहती हैं ङ्क यह भी बीत जाएगा।

आम जन के साथ ही फिल्म जगत के तमाम सितारे भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का जश्न मना रहे हैं। इसी कड़ी में कंगना रनौत, नीना गुप्ता, हेमा मालिनी के साथ ही रश्मिका मंदाना ने भी महिलाओं को खास अंदाज में इस खास दिन की शुभकामनाएं दीं। श्रीवल्ली फेम अभिनेत्री ने महिलाओं को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मैसेज देते हुए कहा कि तुम जैसी हो, वैसी ही काफी हो।

रश्मिका मंदाना ने सभी महिलाओं को दिल छू लेने वाला संदेश देने के लिए इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरीज सेक्शन का सहारा लिया, जिस पर उन्होंने लिखा, आप जैसी हैं, वैसी ही काफी हैं।

रश्मिका ने उन तमाम महिलाओं को सलाम किया जो मुश्किल हालातों में भी हार नहीं मानतीं और चुपचाप अपनी जिंदगी संभालती हैं। रश्मिका ने अपने पोस्ट में लिखा, सभी खूबसूरत महिलाओं के लिए... आज आपका दिन है, लेकिन सच कहूं तो, हर दिन आपका होना चाहिए। उन महिलाओं के लिए जो बड़े सपने देखती हैं, जो बहुत मेहनत करती हैं, लेकिन जिनकी जीत का जश्न हमेशा नहीं मनाया जाता। उन महिलाओं के लिए जो चुपचाप सब कुछ संभालती हैं, जो अभी भी जिंदगी को समझने की कोशिश कर रही हैं। और उन महिलाओं के लिए जो मुश्किल दिनों में भी मुस्कुराती हैं, जब हार मानने का मन करता है, लेकिन खुद से कहती हैं ङ्क यह भी बीत जाएगा। उन्होंने आगे कहा, महिलाओं में बार-बार उठ खड़े होने की अनोखी ताकत होती है। मैं देखती हूं और मुझे बहुत गर्व होता है। कभी-कभी हम भूल जाते हैं कि हम कितने पावरफुल हैं। आगे बढ़ने के लिए कितनी ताकत चाहिए, गहराई से प्यार करने के लिए, और हम सब जानते हैं कि ऐसा इसलिए है क्योंकि सिर्फ हम ही इसके काबिल हैं, बार-बार उठ खड़े होने के लिए। हम इतने बहादुर जो हैं।

रश्मिका ने हर लड़की को याद दिलाया कि तुम काफी हो। बिल्कुल जैसी तुम हो। उन्होंने लिखा, आप सबकी विनम्रता, हिम्मत, मुस्कुराहट, आंसू, भावनाएं... आपका हर हिस्सा खूबसूरत है। आपकी उपलब्धियां किसी और जितनी ही बड़ी हैं। आपके फैसले मायने रखते हैं, राय मायने रखती है, संघर्ष मायने रखते हैं, फीलिंग्स मायने रखती हैं... आप मायने रखती हो!

पोस्ट की आखिर में रश्मिका ने सभी महिलाओं से अपील की कि एक-दूसरे को ऊपर उठाते रहें, एक-दूसरे को सेलिब्रेट करें और बार-बार याद दिलाते रहें कि तुम कितनी कमाल की हो।

गर्भावस्था में रखें खानपान में संयम

गर्भावस्था के दौरान खानपान का खास ख्याल रखना पड़ता है। मां के खाने से गर्भ में पल रहा बच्चा सीधे तौर पर प्रभावित होता है, इसलिए डॉक्टर्स खानपान में संयम बरतने की सलाह देते हैं।

कच्चा पपीता: इसमें मिनरल्स, कैल्शियम, फाइबर, फ्लेवोनॉइड और कैरोटेनॉयड होता है। यह कोलोन कैंसर से बचाता है पर फिर भी प्रेग्नेंसी में इसे खाने से मना किया जाता है क्योंकि गर्भाव्स्था में पपीता खाने से मिसकैरिज यानी गर्भपात का खतरा रहता है दरअसल, पपीता उन महिलाओं को खाने की सलाह दी जाती है जिनका पीरियड्स समय पर नहीं होता पपीता में लेटेक्स होता है जो यूटेराइन कॉनट्रैक्शन शुरू कर देता है. इसकी वजह से गर्भाव्स्था में समय से पहले ही लेबर पेन शुरू हो सकता है और गर्भपात हो सकता है।

ज्यादा नमक: गर्भाव्स्था के दौरान जरूरत से ज्यादा नमक का सेवन ना करें हालांकि सामान्य तौर पर भी डॉक्टर्स कम नमक खाने की सलाह देते हैं। इससे दिल की बीमारियों का खरा बढ़ जाता है लेकिन गर्भाव्स्था में न केवल ब्लड प्रेशर बढ़ता है, बल्कि चेहरा, हाथ, पैर आदि में सूजन आ सकता है।

चाइनीज फूड: इसमें एमएसजी होता है। यानी मोनो सोडियम गूलामेट, जो बच्चे के विकास के लिए हानिकारक है और इसके चलते काई बार जन्म के बाद भी बच्चे में डिफेक्ट्स दिख सकते हैं। इसमें मौजूद सोया सॉस में नमक की भारी मात्रा होती है, जो हाई ब्लड प्रेशर का कारण बन सकती है।

कच्चा अंडा: गर्भाव्स्था के दौरान कच्चा अंडा न खाने की सलाह दी जाती है।

जिला ब्यूरो चाहिए

आवश्यकता है प्रदेश के होशंगाबाद, नरसिंहपुर, सागर, टीकमगढ़, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, मंडला, इंदौर, भोपाल, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, बालाघाट, छिंदवाडा, खंडवा, उज्जैन, बुरहानपुर, रतलाम, नीमच, मंदसौर, रायसेन, छतरपुर, ग्वालियर, दतिया, गुना, शिवपुरी अशोकनगर, राजगढ़, अलीराजपुर, बड़वानी, झाबुआ मे जिला ब्यूरो की ---- सम्पर्क करें।

रामकुमार नेमा, संपादक शब्द सारांश

पता:- आस्था कुंज बादर विहार कालोनी इंदौर रोड हरदा मोबाइल नं. - 9993173191

प्रेमिका ने भाई-बहन के साथ मिलकर रेत दिया प्रेमी का गला, गिरफ्तार

रांची। रांची जिले के बेड़ो थाना क्षेत्र में शादी से इनकार करने पर एक महिला ने अपने प्रेमी की गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने और शव को ठिकाने लगाने के लिए महिला ने अपने भाई और बहन की मदद ली। इस हत्याकांड का खुलासा तब हुआ, जब पुलिस ने दस दिनों से लापता विजय कुमार दास नामक युवक का शव टेंगरिया गांव स्थित एक सुनसान कुएं से बरामद किया।

जानकारी के अनुसार आरोपियों ने अपराध को छिपाने के लिए क्रूरता की सारी हदें पार कर दी थीं। आरोपियों ने विजय के शव को उसी की मोटरसाइकिल के साथ बांधकर गहरे पानी में फेंक दिया था, ताकि वह ऊपर न आ सके। रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने सोमवार को पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि विजय कुमार दास एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था। उसका प्रेम संबंध रोशनी देवी नामक महिला के साथ था। रोशनी उसपर शादी के लिए दबाव बना रही थी, लेकिन विजय टालमटोल कर रहा था। बताया गया कि 29 वर्षीय विजय 24 फरवरी 2026 की रात को अपने दोस्त की मोटरसाइकिल लेकर घर से निकला और उसके बाद नहीं लौटा। परिजनों के संदेह के आधार पर पुलिस ने तफ्तीश शुरू की, तो कड़ियां रोशनी देवी तक पहुंची। पुलिस की तकनीकी जांच और रोशनी, उसकी बहन सीमा देवी और भाई भूपेश से हुई कड़ी पूछताछ में वारदात की पूरी कहानी का खुलासा हुआ। साजिश के तहत रोशनी ने उस रात विजय को बुलाया था। वह उसे बेड़ो स्थित अपने एक नवनिर्मित मकान में ले गई, वहां उसे शराब पिलाई गई। जैसे ही विजय नशे की हालत में बेसुध हुआ, रोशनी ने अपने भाई और बहन के साथ मिलकर पहले चाकू से उसका गला रेत दिया और फिर उसके पेट में वार कर उसकी निर्मम हत्या कर दी। खून से लथपथ शव को ठिकाने लगाने के लिए उन्होंने उसे बोरे में भरा और मोटरसाइकिल समेत कुएं में धकेल दिया।

ट्रक चालक को जबरन गोबर खिलाने का मामला, वीडियो वायरल होते ही हड़कंप

पुणे। पुणे के अंबेगांव पुलिस स्टेशन क्षेत्र में गोरक्षक बताने वाले कुछ लोगों द्वारा एक ट्रक चालक को जबरन गोबर खिलाने का मामला सामने आया है. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है. मिली जानकारी के अनुसार 6 मार्च की तड़के करीब 2 से 3 बजे के बीच यह घटना हुई.

बताया जा रहा है कि भैंसों से भरा एक ट्रक गोरक्षकों द्वारा रोककर आंबेगांव पुलिस स्टेशन के क्षेत्र में लाया गया था. इस दौरान ट्रक चालक को जबरन गोबर खिलाया गया और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया. इस मामले में पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ पशुओं की तस्करी का मामला दर्ज किया है.

वहीं चालक को जबरन गोबर खिलाने और मारपीट करने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और जानबूझकर आपत्तिजनक कृत्य करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने जिन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, उनके नाम विपाशा मणिकम (तृतीयपंथी), हेमंत गायकवाड और विराज सोले बताए गए हैं. पुलिस ने बताया कि विपाशा मणिकम और हेमंत गायकवाड को गिरफ्तार कर लिया गया है. जबकि तीसरे आरोपी विराज सोले की तलाश जारी है. पुलिस के अनुसार घटना के बाद सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो क्लिप को देखने के बाद मामले की गंभीरता सामने आई. वीडियो में ट्रक चालक को जबरन गोबर खिलाते हुए और उसके साथ दुर्व्यवहार करते हुए देखा गया. जिसके बाद संबंधित आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया. बताया जा रहा है कि यह वीडियो पुलिस स्टेशन की हद से ज्यादा दूर नहीं, बल्कि नजदीकी इलाके में ही शूट किया गया था. इसके बावजूद उस समय कोई कार्रवाई नहीं होने को लेकर सोशल मीडिया पर कई लोग सवाल उठा रहे हैं. फिलहाल घटना का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है.

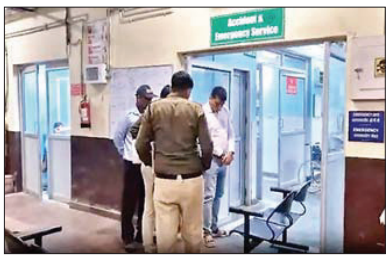

हॉस्पिटल में लड़की पर फेंका एसिड, आरोपी युवती फरार

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां सिविल हॉस्पिटल में एक लड़की पर एसिड अटैक हुआ है। हमले में लड़की गंभीर रूप से घायल हो गई। बताया जा रहा है कि अचानक से एक अन्य लड़की आई और एसिड डालकर मौके से भाग गई।

जानकारी के अनुसार पीड़िता अस्पताल से बाहर आ रही थी, तभी पीछे से हरे रंग का सूट पहने हुए एक लड़की आई, जिसके हाथ में एक बोतल थी। लड़की ने उस बोतल में भरा एसिड पीड़िता के ऊपर डाल दिया। घटना के तुरंत बाद हमलावर वहां से भाग गई। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल लड़की को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। एक चश्मदीद ने बताया कि घटना उस वक्त हुई जब लड़की अंदर से बाहर आ रही थी। तभी अचानक पीछे से एक और लड़की आई और उस पर कुछ फेंक दिया। हमले के तुरंत बाद हमलावर वहां से भाग गई। पीड़िता जोर-जोर से चिल्लाने लगी और आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। आसपास के लोग पीड़िता की मदद के लिए आए और उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अमित नामक एक चश्मदीद ने घटना के बारे में बताया कि उस समय तीन लड़कियां अंदर से बाहर निकल रही थीं।

बाप रे! पति का मर्डर और प्रेमी से शादी...बनाया कत्ल का प्लान

बेंगलुरु। कर्नाटक के तुमकुरु जिले में एक ऐसी मौत का मामला सामने आया, जिसने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया. पहले जिसे साधारण हार्ट अटैक से हुई मौत माना गया, लेकिन करीब एक महीने बाद उसी मौत की कहानी ने नया मोड़ ले लिया. पता चला कि मामला महज हार्ट अटैक से मौत का नहीं, बल्कि कत्ल का है. इसके बाद पुलिस को कब्र से लाश तक निकलवानी पड़ी. जांच में जो सच सामने आया, उसने रिश्तों के भरोसे को झकझोर कर रख दिया.

तुमकुरु तालुक के हेब्बूर होबली के दसराहल्ली गांव में रहने वाले परमेश की 30 जनवरी को अचानक मौत हो गई थी. परिवार को बताया गया कि उन्हें हार्ट अटैक आया था. पत्नी आशा ने यही कहानी सभी रिश्तेदारों और गांव वालों को सुनाई. अचानक हुई मौत से परिवार सदमे में था और जल्दबाजी में अंतिम संस्कार भी कर दिया गया. उस समय किसी को यह अंदाजा नहीं था कि यह मौत एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा हो सकती है.

मामला तब अचानक बदल गया जब परमेश की मौत के महज 20 दिन बाद उनकी पत्नी आशा ने अपने दोस्त चंद्रप्पा से शादी कर ली. यह खबर जब परिवार और गांव में फैली तो लोगों के बीच चर्चा शुरू हो गई. सबसे ज्यादा शक परमेश की बहनों को हुआ. उन्हें लगा कि इतनी जल्दी दूसरी शादी होना किसी बड़े राज की तरफ इशारा कर रहा है. यहीं से इस कहानी में शक की पहली चिंगारी भड़की.

परमेश की बहनों ने पूरे मामले को लेकर हेब्बूर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई. उन्होंने साफ कहा कि उनके भाई की मौत सामान्य नहीं हो सकती. परिवार को शक था कि आशा और चंद्रप्पा के बीच पहले से ही संबंध थे और उसी के चलते यह सब हुआ है. पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से लिया और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी. इसके बाद एक ऐसा कदम उठाया गया, जो अक्सर हत्या के मामलों में ही होता है. पुलिस ने तहसीलदार और राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में परमेश के शव को कब्र से निकलवाया. यह कदम इसलिए उठाया गया ताकि असली वजह का पता लगाया जा सके. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और जरूरी सैंपल भी लिए गए. गांव में यह खबर फैलते ही सनसनी फैल गई. अब लोगों को लगने लगा था कि शायद यह मामला साधारण मौत का नहीं बल्कि किसी बड़ी साजिश का है.

पोस्टमार्टम और जांच के दौरान पुलिस ने कई पहलुओं को खंगालना शुरू किया. डॉक्टरों ने शव के नमूनों की जांच की और पुलिस ने दोनों संदिग्धों से पूछताछ शुरू की. जैसे-जैसे सवाल बढ़ते गए, वैसे-वैसे कहानी भी बदलती गई.

बच्चों की छोटी सी कहासुनी बनी हिंसक झड़प, कई घायल

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मुरादनगर थाना क्षेत्र के मलिकनगर बंबा रोड पर बीती रात एक मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और इलाके में जमकर मारपीट व पत्थरबाजी हुई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और दहशत का माहौल बन गया।

रमजान के दौरान इफ्तार के बाद रात करीब 8 बजे दोनों पक्षों के बच्चों के बीच किसी छोटी-सी बात पर बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते यह कहासुनी बड़े लोगों तक पहुंच गई। पुरानी रंजिश भी इसमें शामिल हो गई और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। जल्द ही मामला हाथापाई में बदल गया और घरों की छतों तथा गलियों से ईंट-पत्थर चलने लगे। काफी देर तक दोनों ओर से पत्थरबाजी होती रही, जिससे आसपास के लोग घरों में दुबक गए और राहगीर भी डर के मारे इधर-उधर भागने लगे।

सूचना मिलते ही मुरादनगर पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में करने के लिए तुरंत कार्रवाई शुरू की। पुलिस की मौजूदगी से कुछ समय बाद पत्थरबाजी रुक गई। इस झड़प में सोनू, समी, इमराना, रुकसाना और मेहराज समेत कम से कम पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुरादनगर में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों से कुल मिलाकर कई लोग घायल हुए हैं।

घटना के बाद इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस ने गश्त बढ़ा दी है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल वीडियो और चश्मदीदों के बयान के आधार पर हमलावरों की पहचान करने में जुटी हुई है। घटना से जुड़े कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें मारपीट, हंगामा और पत्थरबाजी साफ दिखाई दे रही है। पुलिस ने दोनों पक्षों के चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पहले बच्चे का गला घोंटा, फिर पति-पत्नी ने दी जान

मांड्या। जिले के केआर पीट कस्बे में सोमवार को एक कपल ने कथित तौर पर अपने दो साल के बच्चे का गला घोंट दिया और बाद में आत्महत्या कर ली। हालांकि, बच्चा बच गया और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान होसाकोटे गांव के रहने वाले दर्शन और दिव्याश्री के तौर पर हुई है। कपल की शादी करीब तीन साल पहले हुई थी और वे अपने दो साल के बच्चे के साथ केआर पीट के जयनगर इलाके में किराए के घर में रह रहे थे।

पुलिस ने कहा कि कपल के इस फैसले के पीछे की सही वजह अभी पता नहीं चली है। शुरुआती रिपोर्ट्स से पता चलता है कि यह कदम परिवार में चल रहे झगड़ों की वजह से उठाया गया होगा। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, कपल ने यह कदम उठाने से पहले कथित तौर पर अपने बच्चे को मारने की कोशिश की थी। खबर है कि उन्होंने बच्चे का गला घोंट दिया, जिससे बच्चा बेहोश हो गया। यह मानकर कि बच्चा मर गया है, कपल ने बाद में अपने घर के अंदर फांसी लगा ली। हालांकि, कपल की मौत के बाद, बच्चे ने फिर से सांस लेना शुरू कर दिया और बच गया, जिसे रिश्तेदारों ने चमत्कार बताया। बाद में बच्चे को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। इस दुखद घटना से दोनों परिवार टूट गए हैं, रिश्तेदार दुख जताने के साथ-साथ बच्चे के बच जाने पर राहत महसूस कर रहे हैं। यह घटना मांड्या जिले के केआर पीट टाउन पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई। केस दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है। बता दें कि पुलिस ने बताया कि 1 नवंबर, 2025 को मैसूर जिले में एक महिला ने कथित तौर पर अपने दो बच्चों की हत्या कर दी और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली। यह घटना जिले के पेरियापटना तालुक के बेट्टाडापुरा में हुई। पुलिस के मुताबिक, 20 साल की अरबिया भानु ने कथित तौर पर अपनी डेढ़ साल की बेटी और 10 दिन के बच्चे, जो भी एक लड़की थी, का गला काट दिया।

फ्लैट में मिली इंजीनियर की लाश

शिमला। राजधानी शिमला के न्यू शिमला क्षेत्र में एक 50 वर्षीय व्यक्ति का शव उसके फ्लैट से बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार ब्लॉक-50, सेक्टर-04 न्यू शिमला में रहने वाले एक व्यक्ति द्वारा लंबे समय तक दरवाजा न खोलने पर आसपास के लोगों को अनहोनी की आशंका हुई और इसकी सूचना पुलिस थाना न्यू शिमला को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। संदेह की स्थिति को देखते हुए गवाहों की मौजूदगी में फ्लैट का दरवाजा खोला गया। अंदर प्रवेश करने पर कमरे में प्रवेश कुमार (50) पुत्र बिहारी लाल, निवासी गांव व डाकघर थुरल तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा का शव मिला।

वह इस फ्लैट में अकेले रह रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार प्रवेश कुमार विद्युत बोर्ड में अधिशासी अभियंता के पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्त थे। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में थे और एंग्जायटी की दवाइयां भी ले रहे थे। उनकी पत्नी का वर्ष 2021 में निधन हो चुका था और उनकी कोई संतान नहीं है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज शिमला भेजकर शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पोस्टमार्टम आज कराया जाएगा। प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों और आसपास के लोगों ने किसी तरह का संदेह व्यक्त नहीं किया है। पुलिस ने मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत कार्रवाई करते हुए जांच शुरू कर दी है। मौके का निरीक्षण पर्यवेक्षक पुलिस अधिकारी द्वारा भी किया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी, संपादक, मुद्रक, प्रकाशक रामकुमार नेमा की ओर से दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी प्रेस कॉम्पलेक्स, भोपाल से मुद्रित तथा आस्था कुंज बादर विहार कॉलोनी, होटल मानसरोवर के पास इंदौर रोड हरदा से प्रकाशित। संपादक - रामकुमार नेमा। मो.- email:ramnema81@gmail.com (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र हरदा रहेगा।)